Dainik Bhaskar (Indore), 30th May 2025, Front Page- plus 04

सिटी एंकर

ग्रांट इंटरडिसीप्लीनरी शोध को आगे बढ़ाने में कारगर साबित होगी

आईआईटी इंदौर को मिली ₹100 करोड़ की ग्रांट; डीएवीवी भी होगा साझीदार, हेल्थ एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी पर करेंगे रिसर्च

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के माध्यम से 100 करोड़ रुपए की ग्रांट मिली है। इससे वह पार्टनरशिप्स फॉर एक्सीलरेटेड इनोवेशन एंड रिसर्च (पीएआईआर) के तहत अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए काम करेगा। यह ग्रांट हब एंड स्पोक मॉडल के तहत 6 संस्थानों में बांटी जाएगी। इसके तहत आईआईटी इंदौर नए लॉन्च किए पार्टनर रिसर्च नेटवर्क के लिए हब का काम करेगा।

मेंटरशिप आधारित हब एंड स्पोक फ्रेमवर्क के तहत संचालित इस नेटवर्क में छह संस्थान साझेदार हैं। ये हैं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (इंदौर), विक्रम विश्वविद्यालय (उज्जैन), आईआईआईटी भोपाल, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, एनआईटी कुरुक्षेत्र और

फाइल फोटो

आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय। इन संस्थानों के 56 डिपार्टमेंट के 165 फैकल्टी सदस्य साथ मिलकर इंट्राडिसीप्लिनरी रिसर्च पर काम करेंगे। यह नेटवर्क तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देगा। ये हैं- एडवांस्ड मटेरियल्स, एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी और हेल्थ एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी।

सक्षम नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी रिसर्च ईकोसिस्टम विकसित करेंगे

यह योजना प्रधानमंत्री द्वारा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी 2020) के तहत शुरू की गई है, ताकि भारतीय संस्थानों में शोध की क्षमता को बढ़ाया जा सके। मेंटरशिप आधारित पार्टनरशिप के तहत सस्टेनेबल रिसर्च एंड डेवलपमेंट ईकोसिस्टम भी बनाया जाएगा। यह कार्यक्रम क्षमता निर्माण, संसाधन साझा करने, अनुसंधान प्रशिक्षण और इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से सस्टेनेबल रिसर्च और डेवलपमेंट ईकोसिस्टम का निर्माण करने में हमारी मदद करेगा। इस अवसर पर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा यह 100 करोड़ की ग्रांट इंटरडिसीप्लीनरी रिसर्च को आगे बढ़ाने और नए समय की शैक्षणिक साझेदारी बनाने के लिए है। सक्षम नेटवर्क के माध्यम से हम वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी रिसर्च ईकोसिस्टम विकसित करेंगे, जो दुनिया की चुनौतियों का समाधान कर सके।